...नहीं डिगा जिनका हौसला P3 टाटा ग्रुप में ज्यादा महिलाएं लीड रोल में P10 समय पर लागू होगा

खिलाड़ी साबित करें कि हम वर्ल्ड चैंपियन हैं: धोनी - p13

YOUNG INDIA NBT YOUNG PAPER

नवभारत टाइम्स

बारिश और भूस्खलन से उत्तराखंड में रेस्क्यू ऑपरेशन हुआ प्रभावित

बचाव में बाधा

उत्तराखंड में फंसे लोगों को निकालते आईटीबीपी के जवान।

एनबीटी/एजेंसियां ॥ देहरादून/गौचर/नई दिल्ली

उत्तराखंड में कई जगहों पर बारिश, लैंडस्लाइड और बादल फटने से सोमवार को बचाव अभियान प्रभावित हुआ। लोगों को लाने के काम में जुटे ज्यादातर बड़े हेलिकॉप्टर उड़ नहीं पाए। छोटे हेलिकॉप्टरों से चमोली जिले से 138 लोगों को निकाला गया। रुद्रप्रयाग और बदरीनाथ हाइवे पर चट्टानें और मलबा गिरने से रास्ता रोकना पड़ा है। मौसम विभाग ने कुछ इलाकों में तीन दिन तक भारी बारिश की आशंका जताई है। एक-दो जगहों पर तो 25 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। हालांकि ये बारिश 17 जून की तरह मूसलाधार नहीं होगी, जिसके बाद आई बाढ़ से भारी नुकसान हुआ था।

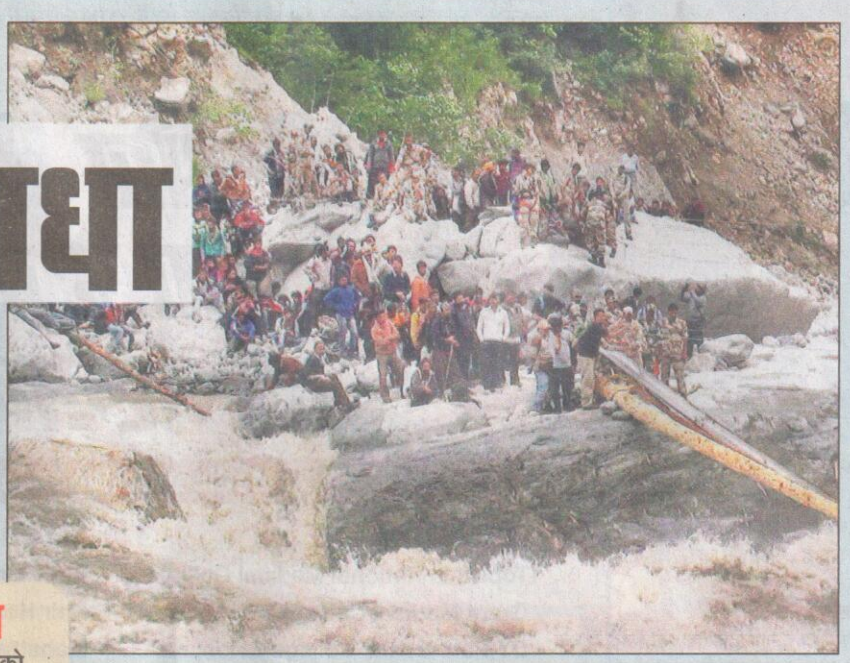

लोगों को ढूंढने में जुटा यूएवी: आईटीबीपी जगह-जगह फंसे लोगों को तलाशने के लिए यूएवी (मानवरहित विमान) की भी मदद ले रही है। यूएवी नेत्र की सहायता से केदारनाथ घाटी, भैरवचट्टी, जंगलचट्टी इलाकों को स्कैन किया जा रहा है। दो और यूएवी मंगवाए गए हैं।

आखिरकार दिखे राहुल: होम मिनिस्टर सुशील शिंदे ने कहा कि वीआईपी उत्तराखंड के प्रभावित इलाकों का दौरा न करें, इससे बचाव में मुश्किलें आती हैं। इसके कुछ घंटे बाद ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी वहां पहुंच गए। बाद में, कांग्रेस ने सफाई दी कि राहुल वीआईपी की तरह नहीं गए हैं।

9 घंटे लटककर बचाई जान: टिहरी के विजेंद्र सिंह नेगी तबाही को जिंदगी भर भुला नहीं पाएंगे। जब सैलाब से केदारनाथ घाटी में तबाही मची थी, 36 साल के नेगी ने केदारनाथ मंदिर की घंटी से 9 घंटे तक लटककर और गर्दन तक पानी में तैरते शवों पर खड़े होकर जैसे-तैसे जान बचाई। ▶▶ पेज 12

3675 लोग
ही बचाए जा सके सोमवार को

1000 लोगों
की मौत की आशंका गृह मंत्री ने जताई

10 हजार
लोगों को सेफ जगह पहुंचाना बाकी

अगर मौसम की सही भविष्यवाणी होती...

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकाण (एनडीएमए) ने कहा है कि अगर मौसम विभाग सटीक भविष्यवाणी करता, तो लोगों की जान बचाई जा सकती थी। एनडीएमए के उपाध्यक्ष एम. शशिधर रेड्डी ने कहा, 'मौसम विभाग को और सटीक आकलन एवं भविष्यवाणी की क्षमता विकसित करनी चाहिए।'

अपनी मर्जी से बचाव कार्य की इजाजत नहीं

उत्तराखंड सरकार राज्य में आई आपदा में फंसे अपने लोगों को निकालने के लिए राज्यों को अपने स्तर पर बचाव कार्य शुरू करने की इजाजत नहीं देगी। सरकार की ओर से यह बयान ऐसे वक्त आया है जब उत्तराखंड गए गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया था कि उन्होंने 15,000 लोगों को बचाया है।

एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कुछ राज्य सरकारों ने अपने राज्य के लोगों को बचाने के लिए अलग से राहत कार्य चलाए हैं, जिसके बाद से कनफ्यूजन पैदा हुआ है। पर अब से राहत और बचाव के काम के लिए समन्वित कोशिश की जाएगी और इसे एक ही जरिए से अंजाम दिया जाएगा। इन बचाव कार्यों को उत्तराखंड सरकार मॉनिटर करेगी।

पर्यटकों और संदिग्धों की होगी तलाशी

अधिकारियों ने उत्तराखंड के बाढ़ग्रस्त इलाकों में गहने और नकद राशि चोरी होने की खबरों के मद्देनजर पर्यटकों और स्थानीय संदिग्धों की तलाशी लेने का निर्णय किया है। गढ़वाल के आयुक्त सुवर्धन ने से कहा, 'उत्तराखंड में गहने, नकद राशि और अन्य कीमती सामानों की चोरी की सूचनाएं मिली हैं, इसलिए हम बचाव केंद्रों में आने वाले केवल संदिग्ध लोगों की तलाशी लेंगे।'

निगरानी कर रहा है संयुक्त राष्ट्र का दल

संयुक्त राष्ट्र उत्तराखंड में आई बाढ़ की स्थिति की निगरानी कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता एडराडो डेल बुए ने बताया, 'संयुक्त राष्ट्र का आपदा प्रबंधन दल अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के जरिए स्थिति की निगरानी कर रहा है।'

घाटी में सेना पर